

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अधिकतम तापमान 31.4 °C
न्यूनतम तापमान 14.4 °C

बजट 78.840 करोड़
91.000 करोड़

04

011

अंक 07

लखनऊ से प्रकाशित

लखनऊ, रविवार 23 फरवरी 2025

पृष्ठ 08

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

मिशन के तहत राईत बेल्ट यूपी करेगी

के
र

कृषि यंत्रीकरण के सदुपयोग से होगा, बेहतर फसल अवशेष प्रबंधन: डॉ जे पी यादव

जिल
दौराव
पर



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने संचालित इटावा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर डॉ जेपी सिंह यादव द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन से मृदा के कटाव को रोका जा सकता है। डॉ यादव ने किसानों से फसल अवशेष प्रबंधन के साथ-साथ सह फसली खेती एवं मेड़ों पर पेड़ लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉक्टर विजय बहादुर जयसवाल ने किसानों को बताया कि मृदा में फार्म मशीनरी द्वारा फसल अवशेषों को सड़ाने से मृदा की सतत उर्वरता बनी रहती है। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी इंजीनियर धीरज ने किसानों को कृषि यंत्रीकरण जैसे हैप्पी सीडर, सुपरसीडर, मल्चर, जीरो टिलेज आदि कृषि यंत्रों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों का प्रबंध करने से कार्बन मोनोऑक्साइड में कमी लाई जा सकती है।

यूपी मैसेंजर स

कानपुर, वि
सिंह ने था
शिवराजपुर
जनसुनवाई
शिवराजपुर
शिकायत कर
कुछ लोगों द्वा
दिया जा रहा है
संबंधित को म
के निर्देश दिए
किया कि कु
निर्माण कार्य
जिलाधिकारी
आख्या देने के
उल्लेखनीय है
जमीनी रंजिश
लोग घायल
जिलाधिकारी
राजस्व निरीध
अधिकारियों व
कि रामप्रसाद
बीघा जमीन क
के आदेश के व

सा बनने
आईपीए
पालन के
के लिए
और
एंगे। यह
भारत के
करने का
शुक्ला,
जैसे-
टल और
साइबर
रूप से
ए।

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि यंत्रीकरण के सदुपयोग से होगा, बेहतर फसल अवशेष प्रबंधन : डॉ जे पी यादव



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने संचालित इटावा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर डॉ जेपी सिंह यादव द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन से मृदा के कटाव को रोका जा सकता है। डॉ यादव ने किसानों से फसल अवशेष प्रबंधन के साथ-साथ सह फसली खेती एवं मेड़ों पर पेड़ लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी

डॉक्टर विजय बहादुर जयसवाल ने किसानों को बताया कि मृदा में फार्म मशीनरी द्वारा फसल अवशेषों को सड़ाने से मृदा की सतत उर्वरता बनी रहती है। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी इंजीनियर धीरज ने किसानों को कृषि यंत्रीकरण जैसे हैप्पी सीडर, सुपरसीडर, मल्चर, जीरो टिलेज आदि कृषि यंत्रों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा की फसल अवशेषों का प्रबंध करने से कार्बन

मोनोऑक्साइड में कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग कॉलेज के सह प्राध्यापक डॉक्टर राजीव ने बताया कि फसल अवशेषों के प्रबंधन करने से मृदा की उर्वरता कायम रखी जा सकती है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ बी एस चौहान, सुनीता मिश्रा, राम प्रसाद स्टेनोग्राफर तथा केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव नगला रतन, चंद्रपुरा, नगला पलटू, पृथ्वी रामपुर तथा कुसौली के 25 कृषकों ने प्रतिभा किया।

कृषि यंत्रीकरण के सदुपयोग से होगा, बेहतर फसल अवशेष प्रबंधन: डॉक्टर जे पी यादव

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित इटावा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर डॉ जेपी सिंह यादव द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन से मृदा के कटाव को रोका जा सकता है। डॉ यादव ने किसानों से फसल अवशेष प्रबंधन के



साथ-साथ सह फसली खेती एवं मेड़ों पर पेड़ लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम के

नोडल अधिकारी डॉक्टर विजय बहादुर जयसवाल ने किसानों को बताया कि मृदा में फार्म मशीनरी द्वारा फसल अवशेषों को सड़ाने से मृदा की सतत उर्वरता बनी रहती है। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी इंजीनियर धीरज ने किसानों को कृषि यंत्रीकरण जैसे हैप्पी सीडर, सुपरसीडर, मल्चर, जीरो टिलेज आदि कृषि यंत्रों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों का प्रबंध करने से कार्बन मोनोऑक्साइड में

कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग कॉलेज के सह प्राध्यापक डॉक्टर राजीव ने बताया कि फसल अवशेषों के प्रबंधन करने से मृदा की उर्वरता कायम रखी जा सकती है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ बी एस चौहान, सुनीता मिश्रा, राम प्रसाद स्टेनोग्राफर तथा केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव नगला रतन, चंद्रपुरा, नगला पलट, पृथ्वी रामपुर तथा कुसीली के 25 कृषकों ने प्रतिभा किया।



उत्तर-प्रदेश

रविवार, 23 फरवरी 2025, जौनपुर

2

सत्य का असर समाचार पत्र

23 फरवरी रविवार 2025 jksingh , hardoi gmail.com मोबाइल नंबर 9956 8340 16

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कृषि यंत्रीकरण के सदुपयोग से होगा, बेहतर फसल अवशेष प्रबंधन: डॉक्टर जे पी यादव।



Reporter



सलाह दी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉक्टर विजय बहादुर जयसवाल ने किसानों को बताया कि मृदा में फार्म मशीनरी द्वारा फसल अवशेषों को सड़ाने से मृदा की सतत उर्वरता बनी रहती है। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी इंजीनियर धीरज ने किसानों को कृषि यंत्रीकरण जैसे हैप्पी सीडर, सुपरसीडर, मल्चर, जीरो टिलेज आदि कृषि यंत्रों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों का प्रबंध करने से कार्बन मोनोऑक्साइड में कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग कॉलेज के सह प्राध्यापक डॉक्टर राजीव ने बताया कि फसल अवशेषों के प्रबंधन करने से मृदा की उर्वरता कायम रखी जा सकती है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ बी एस चौहान, सुनीता मिश्रा, राम प्रसाद स्टेनोग्राफर तथा केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव नगला रतन, चंद्रपुरा, नगला पलट्ट, पृथ्वी रामपुर तथा कुसौली के 25 कृषकों ने प्रतिभा किया।

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित इटावा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर डॉ जेपी सिंह यादव द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन से मृदा के कटाव को रोका जा सकता है। डॉ यादव ने किसानों से फसल अवशेष प्रबंधन के साथ-साथ सह फसली खेती एवं मेड़ों पर पेड़ लगाने की